



Om

15 Dec 2013

10:55 PM

Jaipur

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 121195001

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 121195001

Date: 07/02/2026

लिंग _____:	पुल्लिंग	दादा का नाम _____:	
जन्म तिथि _____:	15/12/2013	पिता का नाम _____:	
दिन _____:	रविवार	माता का नाम _____:	
जन्म समय _____:	22:55:00 घंटे	जाति _____:	
इष्ट _____:	39:28:03 घटी	गोत्र _____:	
स्थान _____:	Jaipur	चैत्रादि संवत / शक _____:	2070 / 1935
राज्य _____:	Rajasthan	मास _____:	मार्गशीर्ष
देश _____:	India	पक्ष _____:	शुक्ल
अक्षांश _____:	27:00:00 उत्तर	सूर्योदय कालीन तिथि _____:	13
रेखांश _____:	76:00:00 पूर्व	तिथि समाप्ति काल _____:	10:59:41
मध्य रेखांश _____:	82:30:00 पूर्व	जन्म तिथि _____:	14
स्थानिक संस्कार _____:	-00:26:00 घंटे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____:	कृतिका
ग्रीष्म संस्कार _____:	00:00:00 घंटे	नक्षत्र समाप्ति काल _____:	20:09:13 घंटे
स्थानिक समय _____:	22:29:00 घंटे	जन्म नक्षत्र _____:	रोहिणी
वेलान्तर _____:	00:04:52 घंटे	सूर्योदय कालीन योग _____:	सिद्ध
साम्पातिक काल _____:	04:07:07 घंटे	योग समाप्ति काल _____:	20:38:24 घंटे
सूर्योदय _____:	07:07:46 घंटे	जन्म योग _____:	साध्य
सूर्यास्त _____:	17:34:42 घंटे	सूर्योदय कालीन करण _____:	तैतिल
दिनमान _____:	10:26:55 घंटे	करण समाप्ति काल _____:	10:59:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____:	दक्षिणायन	जन्म करण _____:	गर
सूर्य स्थिति(गोल) _____:	दक्षिण	भयात _____:	06:54:29
ऋतु _____:	हेमन्त	भभोग _____:	66:02:47
सूर्य के अंश _____:	29:50:59 वृश्चिक	भोग्य दशा काल _____:	चंद्र 8 वर्ष 11 मा 11 ि
लग्न के अंश _____:	10:52:53 सिंह		

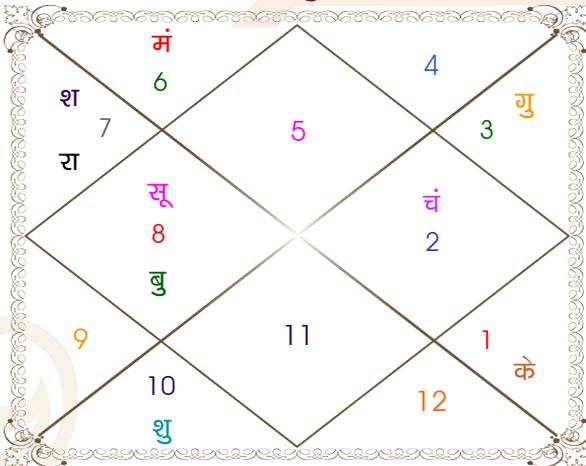
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	सिंह	10:52:53	---	--	--	--	नेक
सूर्य	वृश्चिक	29:50:59	मित्र राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	वृष	11:24:03	मूलत्रिकोण	--	--	--	मन्दा
मंगल	कन्या	09:55:08	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
बुध	वृश्चिक	22:19:40	सम राशि	--	--	--	नेक
गुरु	व मिथुन	24:06:37	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	मकर	04:10:31	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
शनि	तुला	24:42:05	उच्च राशि	--	--	--	नेक
राहु	व तुला	12:55:32	मित्र राशि	--	--	--	नेक
केतु	व मेष	12:55:32	मित्र राशि	--	--	--	नेक

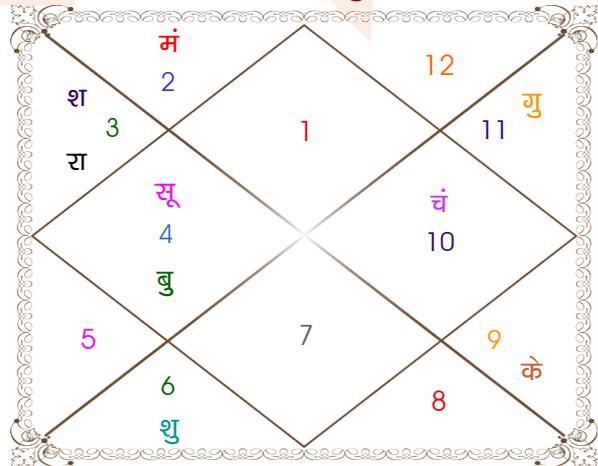
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप धन एकत्र करते रहेंगे। उस धन का लाभ दूसरे को मिलेगा मगर आपकी संतान करोड़पति होगी। आप नये अविष्कार से लाभ प्राप्त करेंगे। नये कार्यों में सफलता मिलेगी। आप अपना पैतृक कार्य छोड़ कर नया काम करेंगे तो खूब लाभ होगा। आप विदेश में निवास करेंगे। पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। आप घर में हैंडपंप, कुंआ आदि लगावएं तो शुभ फल होगा और आपके मन में शांति रहेगी। आप 25 से 50 वर्ष की आयु तक खूब लाभ कमाएंगे। आप कपड़े, पानी और दूध के व्यवसाय से खूब लाभ प्राप्त करेंगे। आपको कपड़े के व्यवसाय से अधिक लाभ मिलेगा। आप काफी धन संग्रह कर सकेंगे। आप फलों वाले पेड़-पौधे लगाएंगे। आपका भाग्य अच्छा है। आप अपने काम रात में करें तो अधिक लाभ होगा। आपके घर पर कोई मुसीबत नहीं आएगी। सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से लाभ मिलेगा, वाहनों से संबंधित कामों में लाभ होगा। पत्नी से लाभ होगा या पत्नी की नौकरी में तरक्की होगी।

यदि आपको चोरी की आदत होगी, दूसरे लोगों के बनते काम बिगाड़े, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखें या किसी स्त्री से बदतमीजी की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से औलाद पर बुरा असर पड़ेगा। माता एवं बहन के सुख में हानि हो सकती है। समस्या न होने पर भी आप उदास रहेंगे। माता का मन अशांत एवं स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। जीवन में कई कठिनाइयां आ सकती हैं। अगर आप दूसरों के बने बनाये काम बिगाड़े तो रक्तचाप का भय और आपके कार्यों में रुकावटें पैदा होंगी और माता-पिता का सुख कम हो जायेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी की आदत से बचें।
2. स्त्रियों के झगड़े में न पड़ें।

उपाय :

1. अंधों को भोजन दें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुल की नैया पार लगायेंगे। आपको चीर-फाड़ के या सर्जिकल के सामान से अधिक लाभ होगा। आप चिकित्सक होकर भी डॉक्टर का काम नहीं करें। यदि डाक्टर बन कर डाक्टर का कार्य करते हैं तो अपने पास से दवाई न दें। आपको माता-पिता का पूरा सुख मिलेगा। आपको मकान और

ससुराल वालों से लाभ मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा।

यदि आप डाक्टर हैं और अपने पास से रोगी को लिक्विड दवाई दी, समाज विरोधी कार्य किये, बड़े-बुजुर्गों का अपमान किया, रात के समय अपने मकान की नींव रखी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी प्रेमिका या विधवा स्त्रियों के कारण धन की बर्बादी होगी। आप अपने जीवन में धोखेबाजी और तैरते को पानी में डुबाने वाले होंगे। आपको दुर्घटना का शिकार भी होना पड़ सकता है। किसी भी औरत के साथ नाजायज संबंध आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आपका मां से अच्छा सलूक नहीं रहेगा। दवाई के व्यापार से हानि होगी। आपको चोर-डाकू, जुआरी एवं शराबी लोगों से नुकसान हो सकता है। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है। आपकी माता को 10 वर्ष बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

उपाय :

1. दूध को फटा कर दूध का पानी पीयें (खराब सेहत के समय)
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप दयालु, रक्षक, भाई और मित्रों के पालनहार, आप दूसरों की जरूरत हमेशा पूरी करेंगे। आप किसी संस्था के प्रधान भी हो सकते हैं। आप बहुत लोगों को सहारा देने वाले होंगे। आप दूसरों को खाली हाथ नहीं लौटाएंगे। आपको ससुराल से सहायता मिलेगी। आप छोटे भाई से पुत्र जैसा प्यार करेंगे और उसे सहायता देंगे। छोटे भाई की सहायता से आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आप दूसरों की सहायता करते रहेंगे। इस वजह से आप भी भरपूर रहेंगे। आपको दूसरों की भलाई के लिए धन-संपत्ति मिलती रहेगी। आप दूसरों के लिए लंगर लगाएंगे। आप नेक और पक्के इरादे के हैं। आप परिश्रम से धनी होंगे। आपको खुराक, पोशाक तथा अन्य जीवन के सुख प्राप्त होंगे। जरूरत पड़ने पर खुद ब खुद पैसे मिल जाएंगे। आपको भगवान की कृपा से बहुत धन मिलेगा। आप अधिकारी बन कर हुकूमत करेंगे। आप तीर्थ यात्रा करने से शुभ फल को प्राप्त करेंगे। शादी के बाद आपकी दौलत में बढ़ोत्तरी होगी। ससुराल पक्ष से सुखी रहेंगे।

यदि आपने दूसरों के धन-स्त्री पर बुरी नजर रखी, बुरी आदतों के शिकार हुए या छल-कपट करके भाई-बंधुओं, मित्रों के साथ ठगी की तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से अगर विद्या में रुकावट, जरूरत पड़ने पर आपको धन मिलता रहेगा। नौकरी-व्यापार में बार-बार हानि हो सकती है। 28

वर्ष से पहले बड़े भाई को शरीर कष्ट संतान की चिंता, धन हानि होगी। यदि आपका बड़ा भाई है तो उसका सुख आपको नहीं मिलेगा या वह आपसे हालत में कमजोर होगा या आप और आपका भाई निःसंतान भी हो सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. लड़ाई-झगड़े से दूर रहें।
2. मेहमानों की सेवा से मुंह न फेरें।

उपाय :

1. बच्चों को दोपहर के समय गुड़-गेहूं बांटें।
2. नाश्ते में मीठा भोजन करें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से सुख प्राप्त होगा। सरकार द्वारा मान-सम्मान भी प्राप्त होगा। राजसुख प्राप्त होगा। आप लेखक संपादक या एक कुशल व्यवसायी भी होंगे। आप अपने जन्म स्थान के आस-पास ही नौकरी-व्यापार करेंगे। आप भाग्यवान हैं। आपके परिवार, दौलत तथा आपकी उम्र तीनों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। राजयोग के प्रभाव से आप सरकारी नौकरी में रहेंगे या सरकार से लाभ प्राप्त करेंगे। जीवन व्यस्त परंतु पूर्ण सुखी रहेगा। सुख के सभी साधन उपलब्ध होंगे। निजी भवन और वाहन की प्राप्ति के योग हैं। आप हुनरमंद और कलाकार होंगे। जीवन में बुद्धिमत्ता से काम लेना पड़ेगा। विदेश की यात्रा या आयात-निर्यात के कामों से अधिक लाभ होगा। बुआ-मौसी से लाभ होगा।

यदि आपने विधवा या अविवाहिता स्त्री से संबंध रखा, लड़की, बुआ, बहन-साली के धन का उपयोग किया, माता का विरोध किया या कष्ट दिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से सब प्रकार से आपको मां का प्यार कम मिलेगा। माता के लिए अरिष्ट सूचक योग है। यदा-कदा आपका मनोबल क्षीण हो जाया करेगा। परंतु आपको घबराना नहीं चाहिए। आपको किसी से गलत मंत्रणा मिल सकती है। पत्नी सुख, धन-दौलत और गृहस्थ सुख पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बुआ-मौसी से झगड़ा न करें।
2. विधवा या अविवाहित स्त्री से संबंध न रखें।

उपाय :

1. तांबे का पैसा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करे।

2. केसर का तिलक करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पिता का सहयोग प्राप्त होगा। भाई आपके मदद्गार हो सकते हैं और उनसे लाभ भी होगा। कारोबार में भाई का साथ भाग्य जगाता है। आपके जीवन के 16 वर्ष से 28 वर्ष तक का समय भाग्य आपका खूब साथ देगा। आपके भाग्य से ससुराल वालों को बहुत लाभ होगा आपको धन-संपदा प्राप्त होगी। आप गरीबों की मदद करेंगे तथा धर्म में विश्वास रखेंगे, तो आपका भला होगा। पिता की उम्र तक आपकी हालात अच्छी रहेगी। आपको लाभ तो होगा परंतु आप कर्जदारी में भी रहेंगे। सरकारी कामों से संबंधित कमाये धन में बहुत बरकत होगी। आपके जीवन में आमदनी के और भी कई रास्ते हो सकते हैं। आप दूसरों के मदद्गार होंगे आप अपनी आमदनी का अपव्यय भी कर सकते हैं या आप अपने धन को संभाल कर नहीं रख सकेंगे। आपकी दोस्ती से दूसरों को लाभ मिलेगा। आप अपने भाई-बंधुओं, दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार रखेंगे। आप अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं करेंगे।

यदि आपने पूजा स्थान घर में रखा, चाल-चलन खराब किया, घर में या घर के पास सूखा पीपल का वृक्ष हुआ तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से परंतु पिता की मृत्यु के बाद कोई सहायता नहीं करेगा। आप परिवार के साथ रह कर सुखी परंतु अकेले रहने में दुःखी रहेंगे। आप की आंखों की नज़र कमजोर हो सकती है। बुढ़ापे में आपकी किस्मत ढीली हो जाएगी। परिवार कितना बड़ा हो मगर कफन पराया मिले ऐसा शक है। आप शराब-बीयर आदि न पीएं वरना आपके पास धन नहीं टिकेगा। पिता की मौत के बाद आपके भाग्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आपकी मौत शान और सम्मान से होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अण्डे न खावें।
2. पूजा स्थान घर में न रखें। धर्म मंदिर में पूजा करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र छठे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप बहुत धन कमा पाएंगे। आप अपनी कामवासना की पूर्ति के लिए स्त्रियों की प्रशंसा और प्रेम भी करेंगे। आपके जीवन में पुत्र की अपेक्षा अधिक कन्याओं के सुख की संभावना है। आपको अधिक

संख्या में संतान के सुख प्राप्ति की संभावना है। आप स्वस्थ रहेंगे। आपकी नेत्र की शक्ति बरकरार रहेगी। आप रुचिपूर्ण भोजन पसंद करेंगे। आपको वृद्धावस्था में अधिक सुख प्राप्त होगा। आप अपनी प्राप्त शिक्षा से हट कर काम करेंगे। आपके पिता के साथ-साथ आपकी किस्मत भी अच्छी है।

यदि आपकी पुत्रियां अधिक हुई, स्त्री से झगड़ा किया या आपकी स्त्री को नंगे पैर घूमने की आदत हुई, बहन-बुआ-साली-बेटी से धन लिया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विद्या अध्ययन में रुकावट, पिता सुख का अभाव रहेगा। काम शक्ति में नुकस होने की शंका है। विलंब से पुत्र का सुख मिलेगा। धन-संपत्ति की हानि भी हो सकती है। आपके सामने लड़ाई-झगड़े की भी समस्याएं पेश आती रहेंगी। लड़ाई-झगड़े से परेशान रहेंगे। आपकी बुद्धि भ्रमित रहेगी। आपके पशु की चोरी या धन-दौलत के गुम हो जाने भी संभावना है। आपका कारोबार अच्छा नहीं रहे। राज पक्ष से भी कोई समस्या पैदा होगी, ऐसी आशंका है। लोग आपको कई बार बदनाम भी कर देंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. स्त्री का अपमान न करें।
2. पत्नी को नंगे पैर न चलने दें।

उपाय :

1. पत्नी लाल दवाई से गुप्तांग धोयें।
2. ठोस चांदी घर में रखें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि तीसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप स्वस्थ, विद्वान, विवेकी और खर्चीले स्वभाव के होंगे। धन की कमी नहीं रहेगी। आपके पास बहुत धन आएगा। आप पराए लोगों की मदद करेंगे। आपको चोरी और धन नाश की तरफ से सतर्क रहना चाहिए। आप सबकी मदद करेंगे मगर वह व्यक्ति दूसरों का काम बिगाड़ेगा, और खुद आराम पाएगा। आपके जीवन में अड़चने भी पैदा हो सकती हैं। आप साहसी होंगे। भाई-बहन से सामान्य सुख के आसार हैं। आप दुःसाहस करने में भी बाज नहीं आएंगे। लोहा/मशीनरी से संबंधित कामों से धन लाभ होगा।

यदि आपने चोरी-ठगी की, घर का मुख्य दरवाजा पूर्व या दक्षिण दिशा में हुआ, दूसरे लोगों के काम बिगाड़े तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से शराब पीना, मांस खाना अच्छा फल नहीं देगा। नगद धन का अभाव रह सकता है। नर संतान को कष्ट की आशंका है। आपकी आंखों की नज़र कमजोर हो सकती है। छोटे भाई से दूरी या उसका सुख न होगा। भाई-बंधु आपकी नेकी को भूल जाएंगे। चोरी-ठगी करने पर भी धन की कमी रहेगी। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। मकान बनाने में

बहुत संघर्ष करना पड़ेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शराब-मछली का सेवन न करें। मछली का शिकार न करें।
2. कीकर-बेरी का वृक्ष घर में न लगावें।

उपाय :

1. तीन कुत्तों को भोजन का हिस्सा दें।
2. मकान के अंत में अंधेरी कोठरी बनावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपका भविष्य उज्ज्वल रहेगा। आपका सितारा बुलंद रहेगा। आपके सामने दुश्मन सिर नहीं उठा सकेंगे। आप भविष्य में जीवन में घटने वाली घटना को पहले ही जान जाएंगे। किसी भी घटना के बारे में भविष्य का हाल दो वर्ष पहले जान जाएंगे। आपके सभी अरमान पूरे होंगे। आपकी कलम से लिखी बात में तलवार से भी पैनी धार साबित होगी। काफी धन-संपत्ति के स्वामी और शत्रुहंता होंगे। संतान का पूरा सुख मिलेगा। आपके जीवन का 22वां वर्ष उन्नतिकारक होगा। आप शाही जीवन बिताएंगे। आप धर्म में कम श्रद्धा रखेंगे। आप अपनी उम्र में पूरी तरह सुखी होंगे। आपका हौसला बुलंद रहेगा। आप दिलेर और निर्भय रहेंगे। आपकी गिनती बड़े लोगों में होगी। पत्नी-दौलत का अच्छा सुख मिलेगा। आपकी औलाद भी धनवान होगी।

यदि आपने अपने पास या घर में हाथी दांत रखा, हाथियों के 3-3 खिलौने रखे, हाथियों से संबंधित कामों का व्यापार किया, बहन-बेटी-लड़की का धन प्रयोग किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से घर में कोई स्त्री विधवा हो सकती है। आपके भाई के लिए इस ग्रह का फल मंदा रहेगा। आपका भाई धोखाधड़ी करके आपका धन हड़प लेगा। आप पर कर्ज का बोझ पड़ेगा परंतु अपनी बुद्धिमता से कर्ज का बोझ उतार लेंगे। नौकरी-व्यापार में परेशानी होगी, संतान पर 34 वर्ष आयु तक बुरा फल हो ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

उपाय :

1. ठोस चांदी घर में न रखें।

2. कन्याओं की सेवा या दुर्गा पाठ करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के नौवें खाने में केतु पड़ा है। जिसकी वजह से आपकी प्रगति होती रहेगी तबदीली कम होगी। आप पिता के आज्ञाकारी होंगे। सामने वाले व्यक्ति के मन को भाप लेंगे। आप धनवान और भाग्यवान होंगे। आप जन्मस्थान से दूर रहेंगे। आपकी संतानें दूरदर्शी होंगी। आपकी 48 वर्ष की आयु तक पिता की स्थिति अच्छी रहेगी। आप बलवान, भरोसेमंद और अपनी कमाई से बड़े आदमी बनेंगे। आप समाज सेवक होंगे। आपका जीवन परदेश में बीतेगा। धन-संपत्ति और घर के प्रभाव की वृद्धि होगी। आपकी सोलह वर्ष आयु के बाद शुभ असर शुरु होगा। आप अपने बेटे की सलाह से कोई काम करेंगे तो शुभफल प्राप्त होगा। आप माता-पिता और खानदान को तारेंगे। आपका अपना अच्छा रुतबा रहेगा। आप कोई बड़े अफसर बन सकते हैं। आपके यदि पुत्र होंगे तो दीर्घायु होंगे। आपका आर्शीवाद नामर्द को मर्द बना सकता है।

यदि आपने कुत्ते को चोट मारी या कुत्ते से नफरत की, चोर-डाकू को यदि आप साथ रखेंगे, परस्त्री से चाल-चलन खराब करेंगे तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से शारीरिक कष्ट या जोड़ का दर्द होगा। धन की चिंता बनी रहेगी। प्रगति कम और तबदीली अधिक होगी। विवाह के 7 वर्ष बाद संतान पैदा हो, ऐसी आशंका है। आपकी बहन को पुत्र प्राप्ति न होगी या पुत्र सुख न होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू का साथ न रखें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

उपाय :

1. शुद्ध सोने की ननतियां कानों में पहनें।
2. शुद्ध सोने की चौरस ईट घर में रखें।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी कर्तुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

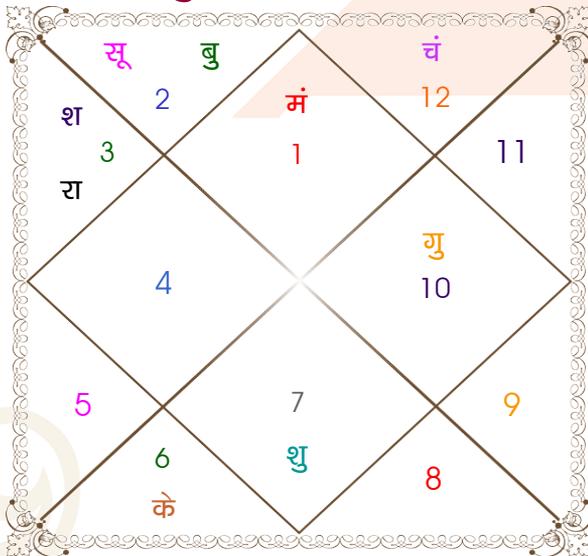
वर्तमान आयु - 14
वर्तमान दशा - केतु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	हाँ	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

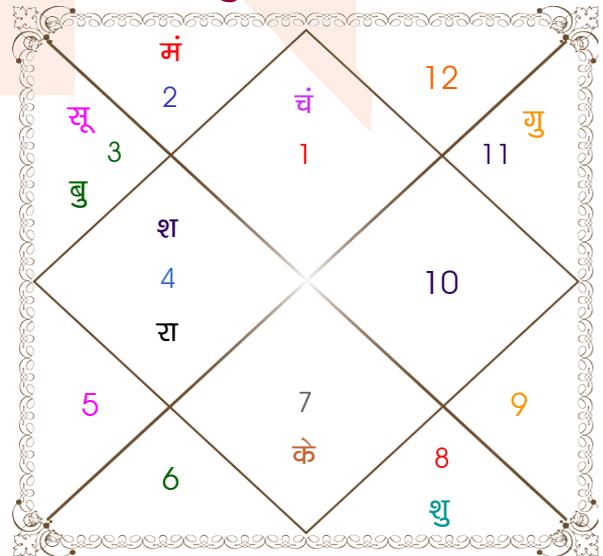
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की उन्नति होगी। आप भाई-बंधुओं के लिये उन्नतिकारक होंगे, उत्तम सवारी का सुख मिलेगा, धार्मिक कार्यों में अग्रणी, समाज सेवा के कार्यों में रुचि रहेगी, सरकारी विभाग से लाभ होगा और सरकारी अधिकारियों से मान-सम्मान मिलेगा, दान-पुण्य में रुचि रहेगी।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. गिफ्ट/मुफ्त माल या दान न लें।
2. बिना मेहनत का माल न खाने या किसी का माल उड़ाने की नियत न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके सभी काम तरस-तरस कर बनेंगे, विद्या संबंधी कामों में रुकावट हो सकती है, आपकी बात बदलने की आदत बनेगी, व्यतीत समय की बातें लोगों को सुना कर अपनी बढ़ाई करेंगे। 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' जैसी कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। मुकदमों में हार का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर में रखें या आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में कायम करें।
2. 16 लीटर वर्षा का पानी कनस्तर में भरकर 4 शुद्ध चांदी के चौरस टुकड़े डाल कर रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष साहसी और शूरवीर बनेंगे, बुरे व्यक्ति के साथ भी नेकी का सलूक करेंगे, बड़े बहन-भाई से लाभ मिल सकता है। दूसरे व्यक्ति द्वारा की गई नेकी को सदा याद रखेंगे। परिवार और समाज को सच्चाई और नेकी की राह पर चलने की सलाह देंगे, लोहा/लकड़ी, मशीनरी आदि के कामों से लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान या गिफ्ट न लें।
2. हाथी दांत कायम करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता-दादा से धन लाभ होगा, आपको ज्ञान की बातों में अधिक रुचि रहेगी, बातें करते-करते बात बदलना आप की आदत हो सकती है। अपने भाग्य को चमकाने के लिये आपको अधिक मेहनत भी करनी पड़ सकती है। इस वर्ष हाजिर जबावी की कला आप में विद्यमान रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध।
2. धागा-ताबीज, जल, भभूतियों से दूर रहें।
3. तोता, भेड़-बकरी न पाले।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि का मुंह देखना पड़ेगा। संतान की चिंता, पिता-दादा का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें (रविवार को छोड़कर)।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मकान-वाहन का सुख मिलेगा। काले रंग की स्त्री का साथ, आपका भाग्य को जगाने और आपकी तरक्की में सहायक हो सकती है। विवाह से संबंधित चीजों के कारोबार से लाभ मिले। जददी घर से दूर जाना पड़ सकता है। पत्नी-माता में मां-बेटी जैसा संबंध रहेगा। पत्नी सुशीला और सेवा करेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके हाथों से खर्च अधिक होगा या धन की कमी रहेगी। आप सबकी मदद करेंगे मगर लोग आपका कार्य बिगाड़ सकते हैं। लोहा, मशीनरी से संबंधित कार्यो से लाभ होगा। आप साहसपूर्ण कार्य करेंगे जिसके कारण आपको जोखिम भी उठाना पड़ सकता है।

शनि की शुभता बढ़ाने निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मछली का शिकार न करें, मछली न खायें। शराब न पिये।
2. कीकर या बेरी का वृक्ष घर में न लगायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष सोना न बिके और न ही गुम हो, खासकर विवाह समय मिली सोने की अंगूठी। यात्रा से हानि हो ऐसी आंशका है। चमड़ी, पांव में कष्ट हो सकता है। फिजूल खर्च बढ़ने की संभावना है। मामा को कष्ट का भय, संतान सुख की चिंता। शत्रु अकारण उभरेंगे और उनसे हानि का भय रहेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

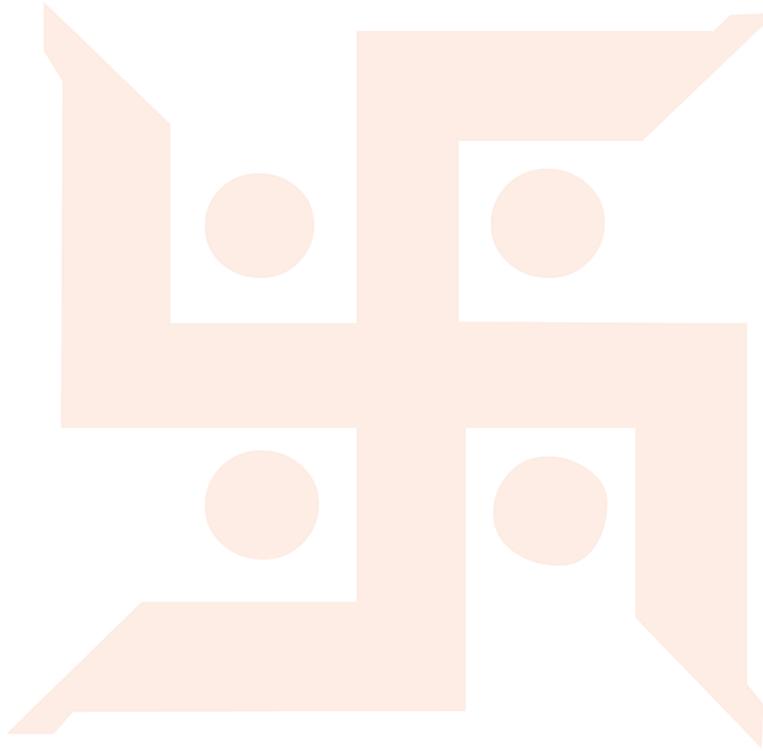
उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. शुद्ध सोने की अंगूठी बांये हाथ की अनामिका अंगुली में पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- नीम का पानी घर पर रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

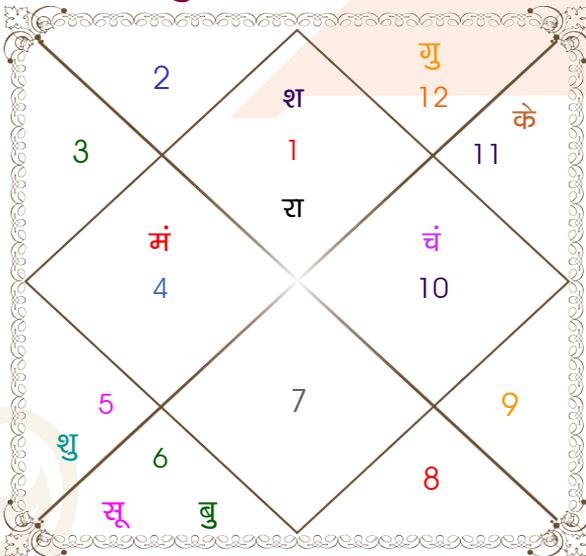
वर्तमान आयु - 15
वर्तमान दशा - केतु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	हाँ	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

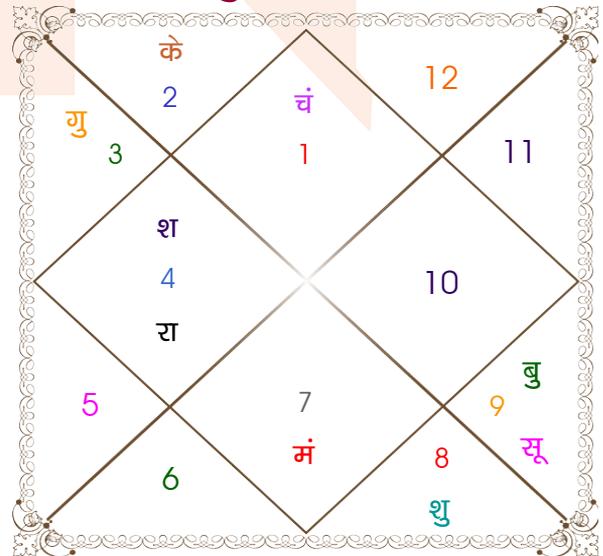
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाग्य पर भरोसा करेंगे, शत्रु दबे रहेंगे। मुकदमों में जीत होगी, संतान जन्म से भाग्योदय होगा। ननिहाल से लाभ होगा, पिता के रूतबे में कुछ उथल-पुथल का भय रहेगा। परस्त्री के साथ आपके संबंध बन सकते हैं मगर चाल-चलन ठीक रखें। सरकारी विभाग से लाभ होगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, साली-बुआ से झगड़ा न करें।
2. कर्ज और दान मुफ्त का माल न लेवें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय या वैसे ही रात के समय लिक्विड दवाई का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोरों-जुआरियों, शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी स्त्री या प्रेमिका द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें अर्थात् पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुख के साधनों से सुख नहीं मिलेगा। माता, नानी-सास और पत्नी से लाभ मिलेगा, गृहस्थ जीवन सुखमयी व्यतीत होगा, संतान की चिंता रहेगी, मेहमानों का आपके घर में आना-जाना लगा रहेगा। मकान/वाहन का सुख मिलेगा। दूसरों को नसीहत दे कर उनको सन्मार्ग पर लाने के लिए प्रत्यनशील रहेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार के मकान में रिहाईश न करें।
2. काले-काने, अंगहीन, निःसंतान व्यक्ति से संबंध न रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउंटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़की/बहन का विवाह अपने रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक/नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको धन से अधिक लगाव नहीं होगा। ध्यान-समाधि लगाने से धन की वर्षा होगी। आपका आशीर्वाद लेने वाला तर जाएगा और आपको सताने वाल बर्बाद हो जाएगा। खर्च अधिक जो परिवार के शुभ कामों पर होगा। त्याग की भावना भी आपके मन में रहेगी। आपको किसी का दुर्वचन नहीं लगेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
2. किसी से धोखा-फरेब न करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सफेद वस्तुओं से अधिक प्रेम रहेगा। आप अपने देश और जाति से प्रेम करेंगे, माता-पिता का कहना मानेंगे। दुनियावी बातों से अपने को मुक्त रखेंगे। पत्नी वफादार होगी, पत्नी के साथ अच्छे संबंध रखेंगे परंतु किसी चीज का अभाव नहीं होगा और कारोबार में रुकावट नहीं आयेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. स्त्रियों के रसिया न बनें।
2. प्रेम विवाह या अंतर्जातीय विवाह या माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कैमिस्ट या डाक्टर, इंजीनियरिंग, से संबंधित कामों से लाभ हो सकता है। लोहा-लकड़ी के काम भी लाभ देंगे, माता-पिता के पास धन की बढ़ोत्तरी होगी। आपकी जायदाद बढ़ने की आशा है। सरकारी विभाग से लाभ मिलेगा और उच्चाधिकारियों से अच्छे संबंध बनेंगे।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. परिवार में कोई खुशी का समय हो तो बाजे न बजवायें।
2. शराब आदि पीना, मांस-मछली खाने और इश्कबाजी से दूर रहें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकार या सरकारी विभाग द्वारा लाभ, ननिहाल के लिये समय ठीक, नया कारोबार भी शुरू हो सकता है। आप में कुछ रिश्तत लेना या करप्शन सोच आपके दिलो-दिमाग में आ सकती है। आपको हर समय बोलते रहने की आदत या बीमारी भी हो सकती है, इसका ध्यान रखें।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. आंगन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कभी हिम्मत नहीं हारेगें। भाग्य आपका साथ देगा। धन-दौलत का अधिक लाभ होगा। आपको पुत्र संतान का सुख मिलेगा तो माता/सास को शारीरिक कष्ट हो सकता है खासकर आंखों में। चाल-चलन ठीक रखें वरना शारीरिक कमजोरी हो सकती है। आने वाले समय की अधिक सोच रहेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो काम पर न जायें क्योंकि आगे काम नहीं बनेगा।
2. व्यतीत समय की बातें करके को याद कर लोगों को न सुनायें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 10 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)

